जादूगर का जमूरा

मैक्स ने जादूगर की कार्यशाला की सफाई में घंटों बिताए थे - पर काम अभी भी ख़त्म नहीं हुआ था.

"मैं तंग आ गया हूँ," उसने जादूगर के मेंढक तबिता से रोते हुए कहा. "मैं दिन भर बस पोछा, सफाई और पॉलिश करता हूँ. फिर भला मैं कैसे कोई जादू सीखूँगा?"

"मैक्स!" तभी एक तेज़ आवाज आई.

जादूगर के वर्कशॉप में आते ही मैक्स ने अपनी कुर्सी से छलांग लगाई.

"मैंने सोचा ...!" जादूगर ने गुस्से से अपना पैर उठाया. "ज़रा इस मशरूम को देखो. तुम पूरी सुबह क्या कर रहे थे?"
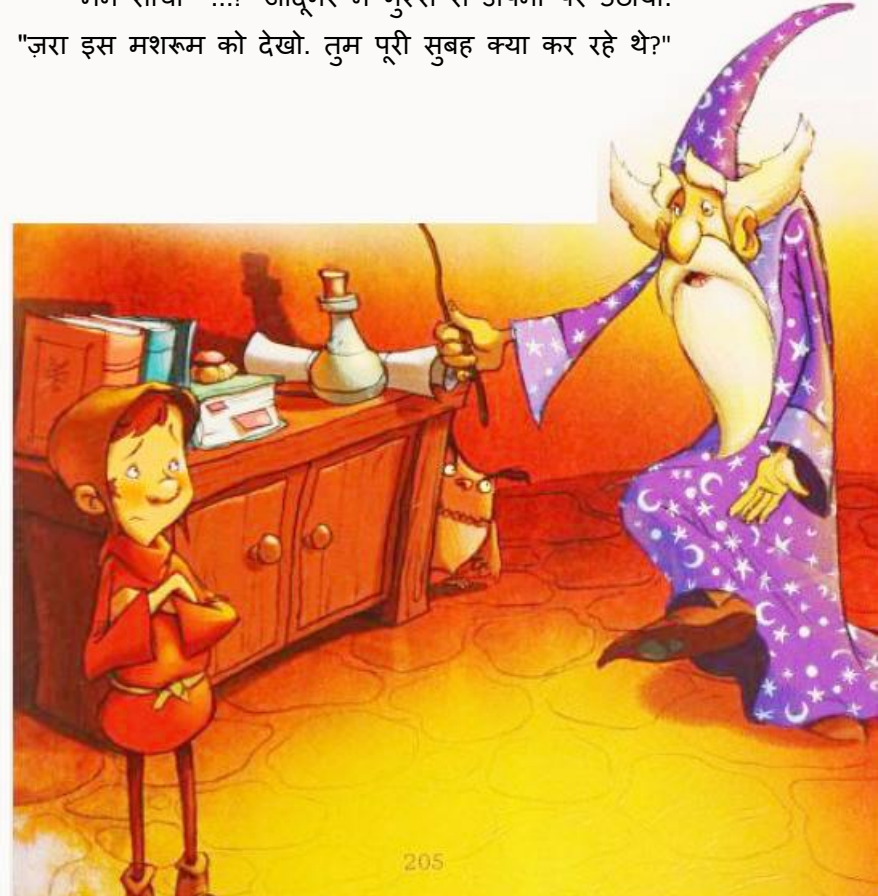
"सफाई," मैक्स ने रूखेपन से कहा.

"देखो, पानी की टंकी खाली पड़ी है."

"बेहतर होगा कि तुम उसे भर दो," जादूगर ने कहा.

"और इस फर्श को फिर से झाड़ो और सफाई करो. तुमने पहली बार बहुत ख़राब काम किया है." मैक्स ने एक आह भरी.

"मुझे शहर जाना है," जादूगर ने खरीदारी की सूची निकाली. "मुझे... यह चीज़ें खरीदनी हैं - ड्रेगन का तराजू. अब, जब मैं बाहर हूं तो कोई भी मंत्र-तंत्र फूंकने की कोशिश मत करना," जादूगर ने चेतावनी दी, "नहीं तो मैं तुम्हें एक मेंढक में बदल दूंगा!"

मैक्स को घूरते हुए जादूगर ने अपनी बाहें ऊपर उठाईं. प्रकाश की एक किरण चमकी. बैंगनी धुंआ कमरे में चारों ओर घूमा और उसके साथ जादूगर गायब हो गया.
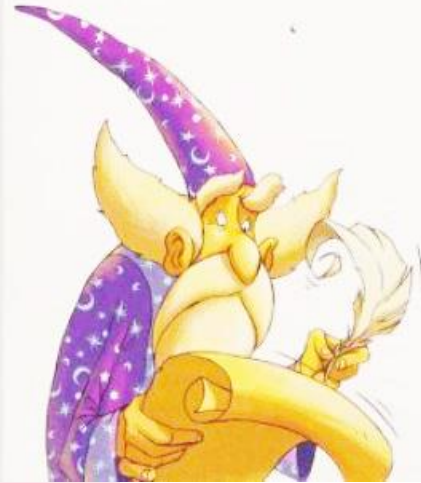
"हुर्रे!" मैक्स मुस्कुराया. "चलो, अब कुछ घंटों की छुट्टी. मुझे लगता है कि मैं ताल में तैरने जाऊंगा."

"पानी की टंकी भरना हैं और तुम्हें फर्श भी साफ़ करना है?" तबिता ने उसे याद दिलाया.

"जादूगर युगों तक वापस नहीं आएगा," मैक्स ने कहा. "मैं वो सब काम बाद में कर लूँगा."

"उससे जादूगर खुश नहीं होगा ..." तबिता ने कहा.

"ठीक है, ठीक है," मैक्स ने एक झाड़ू पकड़ी और फर्श पर झाड़ू लगाने लगा. वो कराह उठा.

पानी की टंकी को भरने में काफी समय लगेगा. बाल्टी को पंप से टंकी तक सीढ़ियों से ऊपर और नीचे ले जाना काफी कठिन काम था.

काश कुछ ऐसा होता जिससे वो काम जल्दी हो जाता ...

और तब उसे एक शानदार विचार सूझा. कुछ दिन पहले जादूगर ने एक झाड़ू पर एक मन्त्र फूंका था और उसमें जान डाल दी थी.

मैक्स ने सोचा, "मुझे बस अब मंत्र याद करने की जरूरत है," और फिर झाड़ू मेरे लिए टंकी भर सकती है!

मैक्स ने अपनी आंखें बंद कीं, एक सांस ली और जादू के शब्द पढ़े:

पुराने बाँझ के पेड़ की जड़ और शाखा
मेरे लिए इस झाड़ू में जीवन भर दो!

तुरंत उसके हाथ में झाड़ू झनझना उठी... और झाड़ू के हाथ-पैर निकल आए.

"मेरे लिए पानी की टंकी भरो," मैक्स ने आदेश दिया - और झाड़ू ने काम शुरू कर दिया.
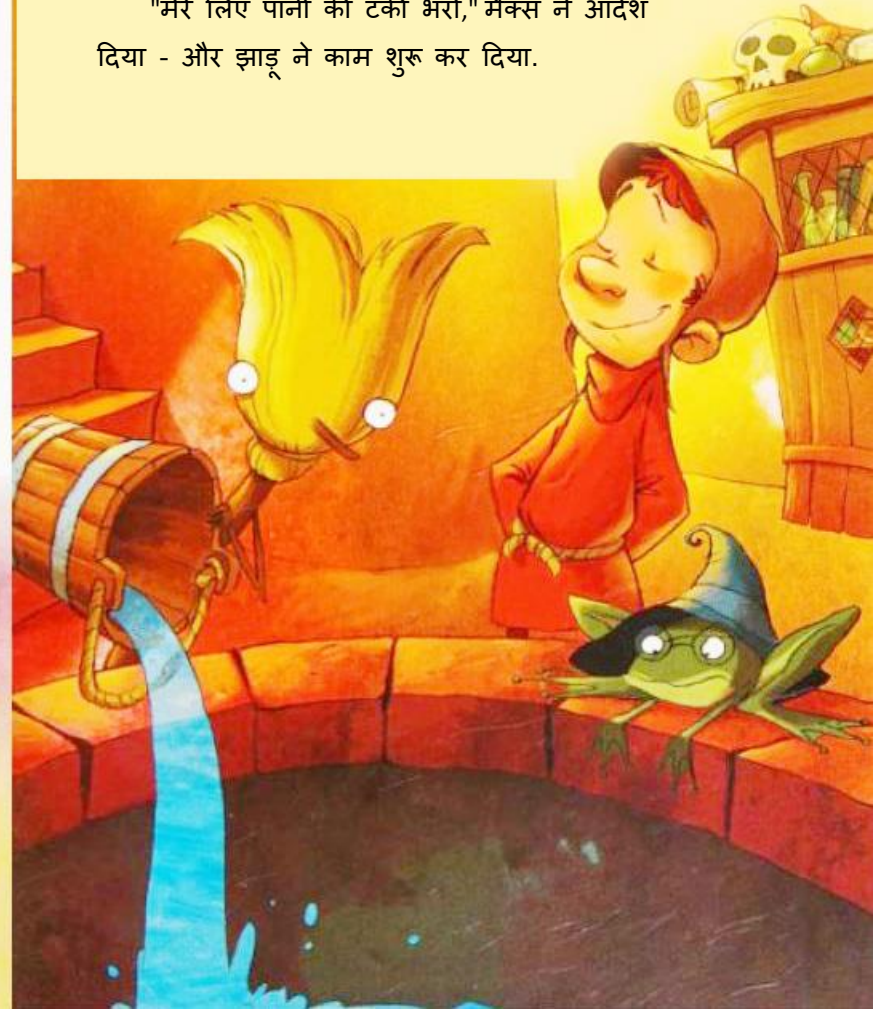
मैक्स खुश था. उनका पहला जादू काम कर रहा था. "मैं अब थक गया हूँ," उसने जम्हाई ली.

"मुझे लगता है कि अब मैं एक छोटी सी झपकी लूँगा." और फिर वो एक कुर्सी पर पसरकर सो गया.

अगली बात जो उसने देखी, एक उन्मत्त मेंढक उसकी गोद में उछल-कूद कर रहा था.

"जागो जागो!" तबिता चिल्लाई. "टंकी ओवरफ्लो हो रही है और झाड़ू रुक ही नहीं रही है."

"हुह?" मैक्स नींद में बुदबुदाया.
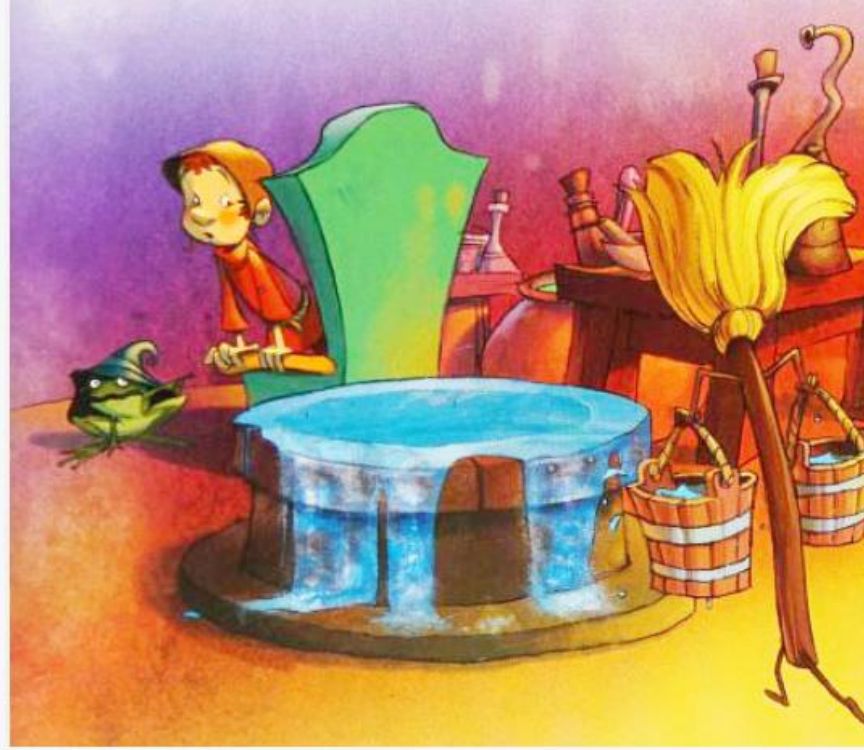
"देखो," तबिता ने कहा.

"अरे नहीं!" मैक्स चिल्लाया. पानी टंकी में ऊपर तक पहुंच गया था और उसके ऊपर से बह रहा था.

"बस बहुत हो गया!" मैक्स ने झाड़ू से कहा. "अब तुम रुक सकती हो. रुको!" लेकिन झाड़ू ने उसपर कोई ध्यान नहीं दिया.

झाड़ू इधर-उधर टहलती रही, बाल्टियों को भरकर ऊपर पानी की टंकी में डालती रही. पानी बाहर बह निकला, फर्श पर बाढ़ आ गई.

"बंद करो!" मैक्स से विनती की, लेकिन झाड़ू अपना काम करती रही.

"जल्दी करो! इससे पहले कि पूरी वर्कशॉप बाढ़ में बह जाए, उसे रोकने के लिए कोई मंत्र फूंको," तबिता ने निवेदन किया.

"मैं दूसरा मंत्र नहीं जानता," मैक्स ने शर्मिंदा होते हुए कहा.

"तुम एकदम गधे हो..." तबिता बुदबुदाई.

अब तक पानी उसके टखनों तक पहुँच चुका था, पर झाड़ू अभी और पानी ला रही थी.

"जादूगर बहुत गुस्सा होगा," तबिता ने कहा. "कुछ ऐसा करो जो तुम कर सकते हो."

"मैं ऐसा कुछ भी नहीं सोच सकता!" मैक्स ने कहा.

"क्या तुम उस झाड़ू को काट सकते हो?" तबिता ने सुझाव दिया.

"बढ़िया विचार!" मैक्स ने कहा.

एक जोर की आवाज़ के साथ! झाड़ू दो हिस्सों में बंट गई.

"बढ़िया!" मैक्स ने राहत की सांस ली.

और फिर उसने महसूस किया कि झाड़ू का प्रत्येक आधा हिस्सा, अपने नए हाथ-पैर उगा रहा था.

"अब एक के दो हो गए हैं!" मैक्स चिल्लाया. "अब तुम क्या करने जा रहे हो? और पानी मत लाओ," वो झाड़ू पर चिल्लाया. "मुझे और पानी नहीं चाहिए. क्या तुम मुझे सुन रहे हो? और पानी नहीं!"

झाड़ू ने उसे अनसुना कर दिया. खाली बाल्टियाँ लेकर, वे पंप की सीढ़ियाँ चढ़ीं, बाल्टियाँ भरीं और फिर टंकी की ओर दौड़ पड़ीं.

"जब जादूगर वापस आएगा तो मैं बेहद परेशानी में पड़ने वाला हूँ," मैक्स ने निराशा से सोचा.

"कृपया रुकें?" उसने आखिरी बार कोशिश की, लेकिन झाड़ू अपना काम करती रहीं, और ऐसा लगा कि वे और तेज काम कर रही हों.

मैक्स पानी में उछला और उनसे उन्हें पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वे उसकी पहुंच से बाहर हो गईं. अब तक, पानी उसके घुटनों के ऊपर था और तेजी से बढ़ रहा था... उसकी टांगों के ऊपर से... पानी उसकी कमर तक रेंग रहा था...

मायूस होकर, मैक्स ने एक मेज को पकड़ लिया जो तैरती हुई आगे बढ़ रही थी.

पूरी वर्कशॉप तैर रही थी और फिर भी झाड़ू टंकी को भरे जा रही थी.

पूरी वर्कशॉप में पानी की लहरें धुलाई कर रही थीं.

"मदद करो!" मैक्स चिल्लाया. "कोई मदद करो!"

"जादूगर ने तुम्हें चेतावनी दी थी कि तुम कोई भी मंत्र फूंकने का प्रयास मत करना," तबिता ने कहा. "शायद अगली बार तुम उसकी बात याद रखोगे."

"तुम मेरी कुछ मदद नहीं कर रही हो," मैक्स ने कहा.

"क्या कोई मुझे सुन रहा है? कृपया हमारी मदद करो!" वो चिल्लाया.

एक ज़ोरदार धमाका हुआ! और तभी जादूगर दिखाई पड़ा, उसके चारों ओर हरे तारे चमक रहे थे.

जैसे ही पानी उसके लबादे पर पड़ा, उसने डर के मारे नीचे देखा.

"यह क्या चल रहा है"

"मैंने तुम्हें बस कुछ घंटों के लिए छोड़ा था," जादूगर ने शुरू किया, "और वापस लौटकर मैं देखता हूं कि मेरी वर्कशॉप एक स्विमिंग पूल बन गई है. तुम यह क्या कर रहे थे?"

ठीक उसी क्षण, दोनों झाड़ू सीढ़ियों से नीचे उतरीं और उन्होंने वर्कशॉप में और पानी भर दिया.

"क्या? कैसे? क्यों?" जादूगर ने थोड़ा हतप्रभ होकर कहा.

"क्या मैंने कोई मंत्र नहीं पढ़ा!" जादूगर फूट पड़ा. जल्दी से, उसने अपनी बाहें फैला दीं, अपनी छड़ी को ऊपर उठाया और पुकारा:

चमगादड़ की आंख और सूअर के दांत

तुम पहले जैसे थे वैसे ही बन जाओ.

धुएं की भंवर में दोनों झाड़ुओं में से एक गायब हो गई. जादूगर ने एक हाथ लहराया और दूसरी झाड़ू सितारों का निशान छोड़ते हुए फर्श पर तैर गई. झाड़ू एक मेज के खिलाफ आराम करने के लिए रुकी और फिर वहीं झुक गई, पूरी तरह से स्थिर.

फटी और गीली किताबें और एक उलटी हुई देगची को पीछे छोड़कर पानी ने तेजी से बहना शुरू किया.

मैक्स ने पानी की टंकी के किनारे से झाँका.

"मैंने तुम्हें चेतावनी दी थी, कोई मंत्र नहीं!" अपनी छड़ी उठाते हुए जादूगर ने कहा.

"मैं सच में, वास्तव में क्षमा चाहता हूँ," मैक्स ने कहा. "कृपया मुझे एक मेंढक में मत बदलें. मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर से जादू में दखल नहीं दूंगा."

"चलो ठीक है," जादूगर ने कहा.

"उसने काफी मुश्किल जादू किया था," तबिता ने कहा. "शायद आपको मैक्स को जादू सिखाना शुरू कर देना चाहिए? आखिरकार वो आपका जमूरा है."

जादूगर ने एक पल के लिए सोचा.

"शायद तुम ठीक कह रही हो ..." वो बड़बड़ाया. "लेकिन पहले उसे यहाँ सफाई करनी होगी बिना किसी जादू के. और अगर तुमने फिर कभी मेरी अवज्ञा की," उसने मैक्स से कहा, "तो फिर तुम ताल में मेंढक के बच्चे बन जाओगे."

उस दिन से मैक्स एक आदर्श शागिर्द बन गया. उसने कड़ी मेहनत से पढ़ाई की, और जल्द ही उसने सीखा कि मंत्र कैसे शुरू किए जाते हैं और उन्हें कैसे रोका जाता है.

जब वो बड़ा हुआ, तो मैक्स एक महान जादूगर बना. उसके मंत्र हमेशा अच्छी तरह से काम करते थे - हालाँकि वो सावधान रहता था और कभी किसी भी झाड़ू पर अपना मन्त्र नहीं फूंकता था.